मैंने ढूंढ लिए चारों धाम नहीं मिले राम लिरिक्स

मैंने ढूंढ लिए चारों धाम
नहीं मिले राम
यही तो दुःख भरी है

ढूंढा मैंने नगरी अयोध्या
जहां राम लिए अवतार
मिले नहीं राम
यही तो दुःख भरी है
मैंने ढूंढ लिए चारों धाम
नहीं मिले राम
यही तो दुःख भरी है

ढूंढ लिया मैंने जनक भवन में
जहां राम लिए कन्यादान
मिले नहीं राम
यही तो दुःख भरी है
मैंने ढूंढ लिए चारों धाम
नहीं मिले राम
यही तो दुःख भरी है

ढूंढ लिया मैने तुलसी अंगना
जहां राम किये पूजा पाठ
मिले नहीं राम
यही तो दुःख भरी है
मैंने ढूंढ लिए चारो धाम
नहीं मिले राम
यही तो दुःख भरी है

ढूंढ लिया मेंने लंका नगरी
जहां राम किये संग्राम
मिले नहीं राम
यही तो दुःख भरी है
मैंने ढूंढ लिए चारों धाम
नहीं मिले राम
यही तो दुःख भरी है